

केशकाल। आगामी गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण संपन्न करने में शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय केशकाल में नगर की सभी गणेश उत्सव समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम आकांक्षा नायक एवं एसडीओपी अरुण नेताम ने समितियों के पदाधिकारियों से चर्चा कर सुरक्षा, यातायात एवं कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा पंडाल का निर्माण इस तरह करने को कहा गया, जिससे सड़क पर आवागमन न रुके। बैठक में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। प्रशासन ने सभी समितियों से आपसी समन्वय बनाकर विसर्जन की व्यवस्था करने तथा निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप सामूहिक रूप से विसर्जन करने की अपील की, ताकि विसर्जन के दिन नगर में भीड़ और वाहनों का दबाव कम रहे तथा यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सके। अधिकारियों ने समितियों को प्रशासन द्वारा जारी सभी गाइडलाइंस का पालन करने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को सूचना देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस...

का थी। इन्द्रावती दाहगढ़ रिजर्व बीजापुर अंतर्गत भैरमगढ़ अभयारण्य के गाम कोरमझीजी परिसर में शासकीय दायित्व का निर्वहन करते हुए वनक्षेत्रपाल (रेजर) स्त. २थराम पटेल ११ सितंबर २०२० को नवसिंहियों के हमले में शहीद हुए थे। शुक्रवार को उनकी पुण्यार्थिनी होने के कारण कार्यक्रम में विशेष रूप से उनके अदम्य शौर्य और बलिदान को याद किया गया। वन संपदा और कर्तव्य की रक्षा करते हुए इन वनकर्मियों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

शहीदों के आदर्शों पर चर्चा को सा संकल्प : समग्र में वन अधिकारियों और कमचारियों ने शहीद वनकर्मियों के त्याग और साहस को याद करते हुए वन, वन्यजीव और पशुसिं संरक्षण के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। शहीद परिवार का सम्मान कर विभाग ने उनके बलिदान के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में वन विभाग के अधिकारियों एवं कमचारियों ने दो मिनिट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ केशकाल

सत्र न्यायाधीश खिलावन राम रिगरी के मार्गदर्शन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री गायत्री साय के नेतृत्व में जिला न्यायालय कोंडागांव में तीन खंडपीठों का गठन किया गया है। वहीं तालुका स्तर पर नारायणपुर में

इस अवसर पर ना परगना में फल कराब 55 राजस्व ग्रामों में विराजित देवी-देवताओं को उनके प्रतीकों—लाठ, आंगा, छत्र, डोली आदि के रूप में भंगाराम देवी मंदिर लाया जाता है। अलग-अलग गांवों से देवी-देवताओं के आगमन के साथ पूरा क्षेत्र आस्था और पारंपरिक उत्सव के रंग में रंग जाता है।

शिविर में ग्रामीणों की मलेरिया, टीबी, कुष्ठ रोग, मोतियाबिंद, हीमोग्लोबिन और रैडम ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई। गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम तथा समय पर उपचार की जानकारी दी।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए कोंडागांव और नारायणपुर के राजस्व न्यायालयों में एक-एक विशेष खंडपीठ का गठन किया गया है। इन खंडपीठों के माध्यम से संबंधित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य ऐसे मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर त्वरित एवं सही निराकरण करना है, जिनका निपटारा समझौते से संभव हो

इससे पक्षकारों को समय, धन और न्यायालयीन प्रक्रियाओं से राहत मिलती है। लोक अदालत में राजस्थानमा योग्य प्रकरण, चेक अनादरण, बैंक एवं ऋण संबंधी मामले, मोटर दुर्घटना दावा, परिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, विद्युत एवं जल संबंधी प्रकरण, राजस्व मामले सहित अन्य सुलह योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को डोंगांव ने आम नागरिकों से अपील की है कि जिनका कोई मामला समझौते योग्य हो, वे संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को डोंगांव, केशकाल एवं नारायणपुर से संपर्क कर 12 सितम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

प्रभारी सचिव ने केशकाल विकासखंड अंतर्गत केशकाल नगर में निर्माणधीन लाडबेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए आवश्यक कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने केशकाल बापासा मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क



पाइए

क्षार सूप विशेषज्ञ, 15000 से
 विकिटला, देश-विदेशों में भी
 समय : सुबह 9.30 से रात 8.0

६ सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-424

नहिलाओं का प्रवेश वर्जित

भंगाराम देवी मंदिर में होने वाली इस पारंपरिक अब्दालत की एक और खास बात यह है कि मुख्य पूजा स्थल में नहिलाओं का प्रवेश वर्जित माना जाता है। इस दौरान पुरुष श्रद्धालु एवं देवी-देवताओं के प्रतिनिधि ही निर्धारित धार्मिक प्रक्रिया में शामिल होते हैं। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। स्थानीय मान्यताओं और रीति-रिवाजों का हिस्सा है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ-साथ 'विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए

एक वाहन खराब होत ही यदि बस्तर के प्रवेश द्वार की रफ्तार थम जाती है, तो यह केवल एक ट्रक की खराबी का मामला नहीं, बल्कि घाट की मौजूदा यातायात व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। क्या हर बार

से बचाने के लिए ठोस वैकल्पिक व्यवस्था कब बनेगी? क्या हर बार ओवरटेकिंग, ट्रक खराब होने या किसी छोटी सी घटना के बाद घंटों यातायात थमना ही केशकाव्य बन गिनित है? बस्तर के प्रवेश द्वार से गुजरने वाले हजारों यात्रियों के लिए अब सिर्फ आशवासन नहीं, जाम से स्थायी राहत की जरूरत है।

सवाल सीधा है जब तक बाईपास पूरा नहीं होता, तब तक केशकाल घाट को बार-बार लगाने वाले जाम

से बचाने के लिए ठोस वैकल्पिक व्यवस्था कब बनेगी? क्या हर बार ओवरटेकिंग, ट्रक खराब होने या किसी छोटी सी घटना के बाद घंटों यातायात थमना ही केशकाव्य नहीं बनित है? बस्तर के प्रवेश द्वार से गुजरने वाले हजारों यात्रियों के लिए अब सिर्फ आशवासन नहीं, जाम से स्थायी राहत की जरूरत है।

कलेक्टर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ-साथ 'विकसित भारत 2047' के निर्माण के लिए

उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत पात्र ग्रहणाहियों की पहचान कर उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। इसके लिए ग्राम स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यापक जागरूकता एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अभियान में प्रत्येक

परिवार की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सर्वे संप्रत्यक्ष अभियान का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि जनसेवा की भावना को मजबूत करना और विकास भारत के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना भी है। कलेक्टर ने 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीर्घ प्रचलन के माध्यम से जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ-साथ विकास भारत के निर्माण में सक्रिय लिया जाएगा।

पाइल्स श्वार सुत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
 (25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561

६ सूरस्वती ढाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। ७ मनसा वैम्बर्ख, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

तारुड में 70 जवानों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण



बीजापुर। 14वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा सेनानी मोनिका ठाकुर के तत्वावधान में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीजापुर डॉ. बीआर पुजारी के मार्गदर्शन में विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम तारुड में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जवानों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समय पर चिन्होंकन एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना रहा। शिविर में जिला चिकित्सालय बीजापुर से सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर, आरएमओ एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण कंवर, एमडी मेडिसिन डॉ. राहुल राठीर सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। चिकित्सा दल ने शिविर में उपस्थित जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्रदान किया। शिविर के दौरान कुल 70 जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

संपत्ति कर वसूली पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा



घाटलोहंगा। ग्राम पंचायत आड़ुवाल के आश्रित ग्राम नारायणपाल में आयोजित बैठक में संपत्ति कर वसूली का मुद्दा प्रमुखता से उठा। ग्रामीणों और महिलाओं ने प्रत्येक राशन कार्ड के आधार पर हर महीने 100 लिफ् जाने को लेकर राज्य सरकार और पंचायत व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। ग्रामीणों का आरोप है कि संपत्ति वसूली के नाम पर राशि ली जा रही है, लेकिन इसकी प्रक्रिया, नियम, संबंधित खाता और राशि के उपयोग की स्पष्ट जानकारी उन्हें नहीं दी गई है। ग्रामीणों ने मांग की कि यदि सरकार या पंचायत द्वारा संपत्ति कर निर्धारित किया गया है तो इसकी पूरी जानकारी ग्राम सभा में सार्वजनिक की जाए। वसूली की दर, नियम, रसीद, राशि जमा करने वाले बैंक खाते और उसके उपयोग का पूरा हिसाब ग्रामीणों के सामने रखा जाए। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बड़ी संख्या में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार रहते हैं। ऐसे परिवारों के लिए हर महीने 100 देना भी आर्थिक बोझ है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि कर संपत्ति के आधार पर लिया जा रहा है तो अधिक जमीन-संपत्ति वाले और कम जमीन वाले परिवारों से समान राशि क्यों ली जा रही है। बैठक में पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी उठाया गया। ग्रामीणों के अनुसार कई बार पानी के मोटर खराब होने या बिजली से संबंधित खर्च आने पर गांव के लोग स्वयं राशि जुटाकर व्यवस्था करते हैं। ऐसे में उनका सवाल है कि जब बुनियादी सुविधाओं के लिए भी ग्रामीणों को स्वयं खर्च करना पड़ रहा है, तो संपत्ति कर के नाम पर अतिरिक्त राशि क्यों ली जा रही है। नारायणपाल निवासी मनीराम बघेल ने कहा कि संपत्ति वसूली को लेकर असंतोष केवल नारायणपाल तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र के अन्य गांवों में भी ग्रामीण इस व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

एक ही स्थान पर मिलीं सभी सेवाएं, 570 मरीज लाभान्वित



हरिभूमि न्यूज़ ►► बस्तर

स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में बस्तर विकासखंड के भानपुरी सिविल अस्पताल परिसर में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन एवं सशक्तिकरण सम्मेलन का वृहद आयोजन किया गया। शिविर में एक ही दिन में 570 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच, दवा और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया। सामुदायिक का मुख्य उद्देश्य सिकल सेल एनीमिया जैसी आमूर्वांशिक बीमारी के प्रति जन-जागरूकता लाना, समय पर जांच, उपचार, परामर्श तथा प्रभावित परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी

लुप्त होती नहर पर सवाल पूछा तो आवेदन ही निरस्त

हरिभूमि न्यूज़ ►► सुकमा

कभी सुकमा क्षेत्र के किसानों के लिए शबरी नदी से पानी पहुंचाने वाली नहर आज अपने अस्तित्व को लेकर सवालों के घेरे में है। इस नहर से सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई होने की बात सामने आती है, लेकिन वर्तमान में नहर की स्थिति क्या है, कितनी लंबी थी और इसका वास्तविक

- एनएच-30 से शबरी नदी तक कभी किसानों की जीवनरेखा थी नहर, आज अस्तित्व पर संकट

उपयोग कब तक हुआ, इन सवालों का जवाब तलाशने के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगना अब विवाद का विषय बन गया है। आवेदक ने सिंचाई विभाग से सीधी और सामान्य प्रकृति की जानकारी चाही थी कि सुकमा एनएच-30 से शबरी नदी तक कुल कितने किलोमीटर लंबी नहर थी तथा वर्तमान में नहर की स्थिति क्या है। लेकिन

विभागीय अधिकारी ने जानकारी उपलब्ध कराने के बजाय आवेदन को ही “प्रश्नात्मक” बताते हुए सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 7(9) के तहत निरस्त कर दिया। विभाग के इस जवाब के बाद अब सवाल उठ रहा है कि क्या किसी सरकारी निर्माण अथवा सिंचाई व्यवस्था की लंबाई, वर्तमान स्थिति और उसके अस्तित्व से संबंधित जानकारी मांगना वास्तव में ऐसा प्रश्न है, जिसे आरटीआई के तहत स्वीकार ही नहीं किया जा सकता।

धारा 7(9) को लेकर उठे सवाल

आरटीआई विशेषज्ञों के अनुसार धारा 7(9) मुख्य रूप से सूचना उपलब्ध कराने

के रूप या प्रारूप से संबंधित है। इस प्रावधान को सामान्य तौर पर सूचना मांगने वाले आवेदन को केवल इसलिए खारिज करने का आधार नहीं माना जाता कि आवेदक ने प्रश्न के रूप में जानकारी मांगी है। यहां आवेदक द्वारा नहर की कुल लंबाई और वर्तमान स्थिति से संबंधित जानकारी मांगी गई थी। यदि विभाग के पास नहर से संबंधित स्वीकृति आदेश, तकनीकी रिपोर्ट, नक्शा, विभागीय रिकॉर्ड, निरीक्षण रिपोर्ट, नहर की लंबाई का अभिलेख अथवा वर्तमान स्थिति से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन अभिलेखों के आधार पर सूचना उपलब्ध कराने का रास्ता मौजूद था। यही वजह है कि विभाग द्वारा आवेदन को केवल “प्रश्नात्मक” बताकर निरस्त किए जाने पर अब

पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कभी सैकड़ों एकड़ खेतों तक पहुंचता था पानी

स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारी के अनुसार सुकमा की यह नहर कभी किसानों के लिए महत्वपूर्ण सिंचाई साधन थी। शबरी नदी से पानी लाकर कृषि भूमि तक पहुंचाने वाली इस व्यवस्था से क्षेत्र के किसानों को खेती में सुविधा मिलती थी और सैकड़ों एकड़ भूमि सिंचित होने की बात कही जाती है। समय के साथ नहर की देखरेख, मरम्मत और उपयोग को लेकर स्थिति बदली। आज कई स्थानों पर नहर का अस्तित्व स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि नहर की मूल लंबाई कितनी थी, इसके निर्माण पर कितनी राशि खर्च हुई, नहर कब तक संचालित रही, वर्तमान में इसकी भौतिक स्थिति क्या है और क्या विभाग के रिकॉर्ड में यह नहर अभी भी अस्तित्व में दर्ज है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा से कोई समझौता नहीं, अधिकारियों को कार्य संस्कृति में बदलाव के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ►► दतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ शासन उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के डंकनी सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से

- समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश, कार्यों में प्रगति नहीं होने पर अधिकारियों पर होगी कार्रवाई**

समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने बैठक की शुरुआत लोक निर्माण विभाग की समीक्षा से की। उन्होंने जिले में स्वीकृत एवं निर्माणाधीन सड़कों,



शासकीय भवनों तथा अन्य अधोसंरचना कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब पर रोक लगाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने को कहा। अप्रारंभ कार्यों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं कार्य प्रारंभ कराने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा से दौरान उपमुख्यमंत्री ने ‘हर घर जल’ योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा

कि योजना का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब स्वीकृत योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार तक नियमित और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं की सतत निगरानी, अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा से दौरान कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने तथा धीमी कार्यगति पर उपमुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और लापरवाही बरतने से बचने के सख्त निर्देश दिए।

संस्था ने बाल विवाह रोकथाम पर तैयार की जागरूकता गीत



हरिभूमि न्यूज़ ►► दतेवाड़ा

बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की रोकथाम एवं समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समर्पित संस्था द्वारा बाल विवाह रोकथाम पर एक विशेष जागरूकता गीत तैयार किया गया है। इस जागरूकता गीत का विमोचन सुबह 10:30 बजे सिक्रिट हाउस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री के साथ उकम मंडली एवं दतेवाड़ा जिले के विधायक चैतराम अटामी भी उपस्थित रहे। समर्पित संस्था को बाल विवाह मुक्त भारत परियोजना के अंतर्गत जिले में बाल विवाह की रोकथाम, समुदाय

में जागरूकता एवं बाल अधिकारों के संरक्षण को लेकर विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में संस्था द्वारा तैयार किया गया यह जागरूकता गीत बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं इसके रोकथाम के संदेशों को आमजन तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाने का प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान गीत का प्रदर्शन किया गया तथा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई। इस अवसर पर समर्पित संस्था के प्रमुख संदीप शर्मा, स्टेट डायरेक्टर पुरुषोत्तम पांडे, रजिनल ऑफिसर कार्तिक बांधेकर , जिला समन्वयक रेश्मा स्वर्णाकर एवं संस्था के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग के गड्ढे भरने नगर पंचायत अध्यक्ष ने की पहल

हरिभूमि न्यूज़ ►► गीदम

नगर पंचायत गीदम एवं हारम क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर लंबे समय से बने बड़े-बड़े गड्ढों से नगरवासियों को आखिरकार राहत मिली है। यह राहत शासन-प्रशासन से नहीं, बल्कि नगर पंचायत अध्यक्ष

- अधिकार क्षेत्र से बाहर होकर भी स्वयं के खर्च पर कराया कार्य**

रजनीश सुराना की व्यक्तिगत पहल से मिली है। खास बात यह है कि यह मुख्य मार्ग नगर पंचायत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, फिर भी जनहित को सर्वोपरि मानते हुए अध्यक्ष ने नगर पंचायत फंड से नहीं, बल्कि स्वयं के खर्च पर गड्ढों को

भरवाने का कार्य कराया। नगर के इस मुख्य मार्ग की स्थिति काफी समय से जर्जर थी। बारिश में गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों, राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सड़क हादसों का खतरा भी बना रहता था। कई बार इस समस्या को लेकर

रात 10 बजे तक खड़े रहकर कराया काम

इस बार नगर पंचायत अध्यक्ष ने इसे केवल अधिकार क्षेत्र का विषय न मानकर जनता की समस्या माना। नगरवासियों के अनुसार गड्ढा भरने का काम केवल औपचारिकता बना था। अध्यक्ष स्वयं कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों के साथ मौके पर देर रात 9 से 10 बजे तक मौजूद रहे और पूरे कार्य को अपनी निगरानी में कराया। उनकी इस कार्यशैली की नगरे में जमकर सराहना हो रही है। गड्ढे भरने के लिए नगर पंचायत के फंड का उपयोग नहीं किया गया है। नगर पंचायत के कर्मचारियों ने श्रमदान कर सहयोग जरूर दिया, लेकिन पूरा खर्च अध्यक्ष ने स्वयं वहन किया।

शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका।

पिता से सीखी मूर्ति कला, अब दुष्यन्त के हाथों आकार ले रहे विघ्नहर्ता गणेश

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपालपटनम

गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह है। भोपालपटनम के युवा मूर्तिकार दुष्यन्त देहारी पिछले करीब एक महीने से गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटे हुए हैं।

- 10 वर्षों से लगातार बना रहे गणेश प्रतिमाएं, पूरे ब्लॉक की मांग को अकेले कर रहे पूरा**

गणेश चतुर्थी का पर्व नजदीक आने के साथ अब उनके पास समय भी काफी कम बचा है। युवा मूर्तिकार पिछले करीब 10 वर्षों से स्वयं प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं और क्षेत्र में गणेश उत्सव के लिए लगने वाली अधिकांश प्रतिमाओं की मांग को पूरा करने का काम कर रहे हैं। उनके यहां छोटे से लेकर बड़े आकार तक की गणेश प्रतिमाएं तैयार की जाती हैं। इस समय अलग-अलग आकार की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम तेजी से चल रहा है।



पहले जगदलपुर से आती थीं प्रतिमाएं

स्थानीय लोगों के अनुसार पहले भोपालपटनम एवं आसपास के क्षेत्रों में गणेश सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं जगदलपुर से मंगानी पड़ती थीं। देहारी परिवार के इस क्षेत्र में आने और मूर्ति निर्माण का कार्य शुरू करने के बाद स्थानीय लोगों को सुविधा मिली है। अब गणेश उत्सव सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों के लिए लोगों को प्रतिमाओं के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ता। मूर्तिकार की बनावई प्रतिमाओं की मांग भोपालपटनम नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों में भी रहती है। क्षेत्र के लोग उनकी कला और मेहनत की सराहना करते हैं।

बस्तर जिला हरिभूमि 13

नहर लुप्त, सवाल बरकरार

सुकमा में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को लेकर लगातार चर्चा होती रही है। सड़क, पुल, बिजली और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में पहले से मौजूद सिंचाई व्यवस्था का कमजोर या लुप्त हो जाना गंभीर विषय है। यदि नहर आज उपयोग में नहीं है तो इसके पीछे क्या कारण हैं, क्या नहर की मरम्मत के लिए कमी राशि स्वीकृत हुई, क्या विभाग ने इसका निरीक्षण किया, क्या इसकी जमीन अथवा जल संरचना को वर्तमान स्थिति का कोई रिकॉर्ड है, इन सवालों का जवाब सरकार दस्तावेजों से मिल सकता है। लेकिन जरा इन्हें बुनियादी जानकारीयों को आरटीआई के माध्यम से जानने का प्रयास किया गया और आवेदन को प्रश्नात्मक बताते हुए निरस्त कर दिया गया, तो विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जानकारी के बजाय निरस्तीकरण क्यों

आवेदक का कहना है कि वह किसी अधिकारी से राय या नई व्याख्या नहीं मांग रहा था, बल्कि नहर की लंबाई और वर्तमान स्थिति से संबंधित जानकारी चाहता था। ऐसे में विभाग यदि सूचना उपलब्ध नहीं करा सकता था तो उसे रिकॉर्ड के आधार पर स्पष्ट करना चाहिए था कि मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं है अथवा किस वैधानिक प्रावधान के तहत सूचना रोकी जा रही है। अब यह मामला प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष पहुंच सकता है। वहां यह स्पष्ट हो सकेगा कि आवेदन को धारा 7(9) के तहत निरस्त करने का आधार कितना उचित था। सुकमा में कभी किसानों की खेती का सहारा रही नहर आज यदि लगभग लुप्त हो चुकी है तो यह केवल एक नहर का मामला नहीं, बल्कि सरकार की संपत्ति के रखरखाव, सिंचाई व्यवस्था और सार्वजनिक धन के उपयोग की जवाबदेही से जुड़ा सवाल है।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर अरुण साव ने ली बैठक



बीजापुर। भाजपा जिला कार्यालय में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद करते हुए अभियान को जिले में प्रभावी एवं व्यापक रूप से संचालित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर भी उपस्थित रहे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए अभियान की तैयारियों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा सभी कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निमाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में विभिन्न जनसेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में देश की 25 वर्षों की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा शासकीय योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को उनका लाभ दिलाने में सहयोग करने को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष घासीराम नगन, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी जिला महामंत्री फूलचंद गंगड़ा सहित नगर पालिका के पाण्डेराग, जिला पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



व्यापारियों ने जताया आभार

मुख्य मार्ग के व्यापारियों और नगरवासियों ने इस पहल के लिए आभार जताया है। व्यापारी संदीप मिश्रालंकर ने कहा, लंबे समय से गड्ढे के कारण परेशानी हो रही थी। अध्यक्ष ने अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के बावजूद काम कराया, यह सराहनीय है। एक अन्य नगरवासी अमित सिन्हा ने कहा, सबसे अच्छी बात यह लगी कि अध्यक्ष ने सिर्फ निर्देश नहीं दिए, बल्कि खुद मौके पर खड़े रहकर देर रात तक काम कराया। वैसे ऐसे ही अध्यक्ष चाहिए जो धूप हो या रात, सड़क पर उत्तरकर काम करें। व्यापारी संतोष गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष की कार्यशैली पहले से ही ऐसी रही है। जब वे व्यापारी संघ के अध्यक्ष थे, तब भी वे इसी तरह जनता की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर काम करते थे। इसी विश्वास के कारण लोगों ने उन्हें वोट देकर नगर पंचायत अध्यक्ष बनाया।

लाइट व्यवस्था भी कराई दुरुस्त

गौरालंब है कि हाल ही में अध्यक्ष की पहल पर गौदम और हारम क्षेत्र के मुख्य मार्ग को स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की भी दुरुस्त करवाया गया है, जिससे रात में राहगीरों को सुविधा मिल रही है। फिलहाल नगरवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना और सहयोगी कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है और शासन-प्रशासन से मांग की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग का शोध स्थायी मरम्मत कार्य कराया जाए जिससे बार-बार गड्ढे भरने की नौबत न आए।

पिता से मिली मूर्ति बनाने की कला

मूर्तिकार ने मूर्ति बनाने की कला अपने पिता भरत देहारी से सीखी है। लगभग 35 से 40 वर्ष पहले भरत देहारी शिक्षक के रूप में इस क्षेत्र में आए थे। इसी दौरान उन्होंने मूर्ति निर्माण की कला को अपनाया और धार्मिक आयोजनों एवं पूजा-पाठ में उपयोग होने वाली विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं बनाकर लोगों की जरूरत पूरी करने लगे। पिता के साथ काम करते-करते दुष्यन्त ने भी मूर्ति निर्माण की बारीकियां सीखीं। धीरे-धीरे उन्होंने इस कला में इतनी पकड़ बना ली कि आज वह स्वयं प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। पिता से मिली कला को आगे बढ़ाते हुए बेहतर और आकर्षक प्रतिमाएं बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

धरती माता की पूजा के बाद शुरू होती है प्रक्रिया

मूर्तिकार के अनुसार मूर्ति निर्माण का कार्य केवल मिट्टी को आकार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें परंपरा और विधि-विधान का भी विशेष महत्व है। प्रतिमा बनाने के लिए जंगल क्षेत्र से मिट्टी लाने से पहले धरती माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद मिट्टी को लाकर उसे तैयार करने और धार्मिक निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाती है। आज मूर्तिकार इसी पारंपरिक कला को आधुनिक स्वरूप के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। उनके हाथों से तैयार होने वाली गणेश प्रतिमाओं में आकर्षक स्वरूप और बारीक कारीगरी देखने को मिलती है।

14 सितंबर को गणेश चतुर्थी

इस वर्ष 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा। पर्व के लिए अब कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में मूर्तिकार अपने हाथों से तैयार की जा रही गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कहीं प्रतिमाओं पर रंग-रंगना का काम चल रहा है तो कहीं चेहरें और आभूषणों की बारीक कारीगरी की जा रही है। मूर्तिकार के लिए यह केवल रोजी-रोटी का साधन नहीं, बल्कि पिता से विरासत में मिली एक ऐसी कला है, जिसे वह पूरी लगन और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। पिता से सीखी कला को अपनी मेहनत और हुनर से निष्काकर दुष्यन्त आज क्षेत्र में गणेश प्रतिमा निर्माण की पहचान बन चुके हैं।

खबर संक्षेप

24 घंटे में मिला एम्बुलेंस माना आभार



जगदलपुर। लोहंडीगुड़ा कल तक जिस बिना घाटी क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता महसूस कर रही थी, वहीं आज स्वास्थ्य मंत्रा के त्वरित निर्णय और संवेदनशील पहल के साथ बिना घाटी क्षेत्र के लिए नई 108 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध हो गई है। जिसे चित्रकोट के विधायक विनायक गोयल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। क्षेत्र के जनता में हर्ष और उत्साह है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के चित्रकोट प्रवास के दौरान क्षेत्रीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा बिना घाटी क्षेत्र के लिए एम्बुलेंस की मांग रखी गई थी जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर 108 एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी। 24 घंटे के भीतर आज विधायक द्वारा एम्बुलेंस को बिना क्षेत्र के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष डॉ. बसंत कश्यप, मंगतू कश्यप, चंद्रशेखर ठाकुर, नरसिंह ठाकुर, भरत कश्यप, सरपंच डोग्राम कश्यप, निरंजन बघेल, धूरुगाम गुड्ड कश्यप, बालसिंह ठाकुर सहित कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

वन कर्मचारियों की हुई आम बैठक

जगदलपुर। वन शहीद दिवस में पूरे छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के सदस्य उपस्थित हुए और अपने वन की सुरक्षा करते हुए शहीदों को भावमौनी श्रद्धांजलि अर्पित किए। तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ अजीत दुबे की अध्यक्षता में वन कर्मचारियों की आम बैठक रखी गई। बैठक में प्रांत के सभी पदाधिकारियों ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण पांडे द्वारा वन विभाग में ठेका पद्धति को लागू करने की जिद का पूरजोर विरोध सभी कर्मचारियों के द्वारा किया गया। प्रांतीय महामंत्री मो. खलीम ने पीसीसीएफ द्वारा ठेका पद्धति को वन विभाग में लागू कराकर अपने चहेतों को देने की गोपनीय तैयारी का विरोध किया गया। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण के नाम पर कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जाएगा और बिल्डिंग वर्क अगर ठेका किया जाता तो हस्ताक्षर रोजर, एसडीओ एवं वन मण्डलाधिकारी ही हस्ताक्षर करेंगे नीचे के कर्मचारी हस्ताक्षर नहीं करेंगे। सभी पदाधिकारियों ने उनकी मांग और हड़ताल का समर्थन किया। प्रांत उपाध्यक्ष पवन रूपलिया द्वारा भी ठेका और स्थानांतरण का विरोध किया गया। राज्य के सभी जिलों से आए पदाधिकारियों ने भी पीसीसीएफ के नीतियों का विरोध करते हुए हड़ताल में जाने की बात दोहराई गई।

स्वामी जी 9340638884

By Train: Reservation Coach

रामेश्वरम धाम यात्रा

श्री तिरुपति बालाजी, श्री रामेश्वरम, कल्याकुमारी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै-माँ मिनाक्षी देवी, सुन्दरेश्वर महादेव, प्रिवेन्द्रमपुरम केरला, पद्मनाथम् स्वामी

SLIPPER ₹ 21,500/-	2ND AC ₹ 35,500/-	3RD AC ₹ 32,500/-
OFFER PRICE ₹ 17999/-		OFFER PRICE ₹ 28,999/-

स्वामी तीर्थ यात्रा

संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दूरी पर तीर्थ यात्रा

9111111866, 8275757579

Head Office : ग्राण्डप्ले फ्लोर सिटी सेंटर मॉल पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

online Booking-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 10,900/-

रायपुर, चित्तौड़पुर, चम्पा, रायगढ़ से होकर

स्पेशल ट्रेन 15 सीट शेप

18 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 (8 दिन)

गंगा सागर यात्रा

गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी, कोलकाता (दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर, बेलूर मठ)

ऑफर राशि: स्लीपर 10,900/- | 3 एसी-18,500/- | 2 एसी 23,500/- (₹5387)

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

आपकी आस्था, हमारी सेवा।

RAIPUR- D-36 Sector-4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411

छात्रावासों की बدهाल व्यवस्था पर विधायक बिफरे, मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज >>> गोंड/घाटलौहंगा

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के छात्रावासों एवं आश्रमों में बच्चों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं विधायक लखेश्वर बघेल ने मूली कन्या छात्रावास, पोस्ट मेट्रिक एवं प्री मेट्रिक छात्रावास मूली तथा बालक आश्रम बारदा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के रहने, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, बिस्तर, कंबल-चादर और मच्छरदानी सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। मूली कन्या छात्रावास में विधायक ने रसोई पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता एवं मात्रा की जानकारी ली इसके बाद छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई और परीक्षा परिणाम के संबंध में जानकारी ली तथा अच्छे

मूली कन्या छात्रावास और बारदा आश्रम का किया निरीक्षण



बारदा में अंधेरे में पढ़ते मिले बच्चे

बालक आश्रम बारदा के निरीक्षण के दौरान बच्चे पर्याप्त प्रकाश के अभाव में अंधेरे में पढ़ाई करते मिले। इस पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। भोजन व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने भोजन की मात्रा और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। 50-सीटर आश्रम में भोजन में आलू की अधिक मात्रा और मसूर दाल की सीमित मात्रा पाए जाने पर उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप पोष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आश्रम अधीक्षक की अनुपस्थिति पर भी विधायक ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ आश्रम में भेजते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा, शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी प्रबंधन की है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रदर्शन करने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण में कुछ कमरों की जर्जर स्थिति और वेंटिलेशन की कमी सामने आने पर उन्होंने व्यवस्था में शीघ्र सुधार के निर्देश दिए। पोस्ट मेट्रिक बालक छात्रावास में पानी एवं स्वच्छता की समस्या को लेकर विधायक ने नाराजगी जताई। बच्चों ने कंबल और मच्छरदानी उपलब्ध नहीं होने तथा कुछ मच्छरदानियों की गुणवत्ता खराब होने की जानकारी दी। विधायक ने मच्छरदानी की स्थिति देखी और उसके सही उपयोग एवं रखरखाव की जानकारी बच्चों को दी। पेयजल समस्या के समाधान के लिए उन्होंने पीएचई विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान मानसिंह कवासी, लखेश्वर कश्यप, हेमराज बघेल, जितेंद्र तिवारी, राजेश कुमार, गुप्तेश्वर मांझी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम की मौजूदगी में साइबर फ्रॉड के खिलाफ बस्तर पुलिस का शंखनाद

विद्यार्थियों को सिखाए डिजिटल सुरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज >>> जगदलपुर

शुक्रवार को डिप्टी सीएम अरूण साव की मौजूदगी में शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित साइबर जागृति अभियान में विद्यार्थियों को साइबर अपराध की जानकारी देकर फ्रॉड से बचने के उपाय बताए गए। विद्यार्थियों की

- एसपी व सीएसपी ने विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा पर किया संवाद

जिज्ञाशा को शांत करते हुए एसपी व सीएसपी ने संवाद किया वहीं एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने कहा कि सतर्क रहें, जागरूक रहें और सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

बस्तर पुलिस द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग एवं जिला प्रशासन के समन्वय से उप मुख्यमंत्री अरूण साव की मौजूदगी में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छात्र पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से 15 अगस्त से 2 अक्टूबर



तक संचालित साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आईजी बदीनारायण मौणा, एसपी शलभ कुमार सिन्हा, कलेक्टर आकाश छिकारा, महाधीर संजय पाण्डे, वरिष्ठ अधिकारी व बीयू के

कुलपति मौजूद थे।

विद्यार्थियों से किया संवाद

कार्यक्रम में मौजूद एमबीए व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को फिशिंग लिंक, ओटीपी, क्यूआर कोड फ्रॉड, फर्जी केवायसी, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल

अरेस्ट सहित विभिन्न साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान एसपी सुखनंदन राठौर व सीएसपी सुमित कुमार धोत्रे व अन्य पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ साइबर सुरक्षा पर संवाद किया।



15 अगस्त से जारी है साइबर जागृति अभियान

एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि 15 अगस्त से बस्तर पुलिस द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का समापन 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर होगा। बस्तर पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं और तत्काल 1930 पर संपर्क करें तथा सतर्क रहें, जागरूक रहें और सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

अस्पताल का वातावरण स्वच्छ और संक्रमण मुक्त होना अनिवार्य : जायसवाल

लोहण्डीगुड़ा। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल व स्थानीय विधायक विनायक गोयल ने आज बस्तर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहंडीगुड़ा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान



किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अस्पताल परिसर में स्वच्छता को सर्वोपरि बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने साफ-सफाई की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पताल का वातावरण स्वच्छ और संक्रमण मुक्त होना अनिवार्य है। इसके साथ ही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहंडीगुड़ा में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए उन्होंने अस्पताल परिसर में आवश्यक नए निर्माण कार्यों की त्वरित अनुशंसा भी की। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष डॉ. बसन्त कश्यप, नरसिंह ठाकुर, भरत कश्यप, नरेश खापर्डे, शिवनंदन पेमड़, लखन ठाकुर सहित एसडीएम, तहसीलदार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा पर प्रभावी ग्रीन बेल्ट का काम करेंगे : सीसीएफ

हरिभूमि न्यूज >>> जगदलपुर

पर्यावरण संरक्षण और मातृशक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम जगदलपुर, वन विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में एक

सिटी फॉरेस्ट में भी विकसित हो रही हरियाली

मुख्य वन संरक्षक सुश्री मंडावी ने बताया

- वन विभाग की ओर से 38000 पौधों का किया रोपण
- कुहड़ाकोट में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान



पेड़ मां के नाम 3.0 हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को कुहड़ाकोट स्थित जनजातीय गौरव वाटिका के सामने किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्टाइलो मंडावी ने जगदलपुर वन वृत्त की भविष्यवाणी हरित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया किपौधारोपण के साथ सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग के लगभग 3 हजार रनिंग मीटर के मीडियम में भौगोलिक अनुकूलता के अनुसार टेकोमा, बोमनवेलिया और कनेर (नेरियम) जैसी प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं। इन पौधों से शहर का प्रवेश द्वार आकर्षक बनने के साथ सड़क के बीच ग्रीन बेल्ट विकसित होगी, जो सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी उपयोगी होगी।

ही किया जा चुका है। इसके अलावा किसान वृक्ष मित्र योजना और शासकीय वन भूमि को शिलाकर अब तक लगभग 38 हजार पौधों का रोपण किया जा चुका है। इन प्रयासों का उद्देश्य शहर और आसपास के क्षेत्रों में हरित क्षेत्र का विस्तार करने के साथ पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करना है।

बड़े स्तर पर किया पौधारोपण

बताया कि टेकोमा, बोमनवेलिया और कनेर के पौधों से सजेगा हाईवे का मीडियम। शहर में प्रवेश करने वाले लोगों को आकर्षक हरित वातावरण मिलेगा। किसान वृक्ष मित्र योजना और शासकीय वन भूमि के माध्यम से बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया है। वहीं सिटी फॉरेस्ट योजना के तहत कचनार, मोलश्री और तबुडिया रोसिया जैसी प्रजातियों को भी शामिल किया गया है।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार 3 नग बाईक

तृतीय उपहार 10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार 5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार 8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार 15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार 25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार 40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार 500 नग हॉट पॉट

दमवां उपहार 600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार प्रत्येक प्रतिभागी को अनिवार्य उपहार

विजय बूट नहीं :- ● यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसंबर 2026 की अवधि के लिए है। ● हरिभूमि के नए पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ● महालक्ष्मी भग. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ● इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 500 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ● योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फर्माट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) थिफकाने होंगे। ● फोटोकॉपी या कटे-छरे कूपन व फर्माट मान्य नहीं होंगे। ● राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ● सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के हिस्से को आकर्षक के नियम व शर्त मान्य होंगी। ● हरिभूमि निर्गोपक गैस का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ● किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ● विजय बूट पर उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ● हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते हैं।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : पुजारी पार्क के सामने, पचपेढ़ी नाका रोड, टिकरापारा रायपुर
फोन : 0771-4242238, मो. 8224868411, 8319145740